अरविंद-नीलम ने जीती मैराथन

दोनों को मिली ढाई-ढाई लाख रुपए की पुरस्कार राशि

नई दिल्ली, (राजेन्द्र सजवान): इलाहाबाद मैराथन में खिताबी हैट्रिक जमाने वाले अरविन्द कुमार यादव ने मवाना मैराथन में दो घंटे 21 मिनट 44 सैकंड का समय निकालकर एक और खिताब अपने नाम कर लिया। महिलाओं में महाराष्ट्र की नीलम मारुति कदम ने तीन घंटे एक मिनट दो सैकंड का समय निकाल कर पहला स्थान पाया। वह पहली बार किसी फुल मैराथन में दौड़ी और खिताब ले उड़ी।

नीलम सूरत हाफ मैराथन की विजेता है और पूर्व एशियन चैंपियन सुनीता गोदारा के हैल्थ फिटनेस अभियान से जुड़ी हैं। विजेता धावक-धाविकाओं को मवाना शुगर्स के चेयरमैन सिद्धार्थ श्रीराम ने ढाई-ढाई लाख के चैक भेंट किये। इस अवसर पर छाया श्रीराम, कृष्ण श्रीराम और आयोजक सचिव राजेश तारा भी मौजूद थे। खराब मौसम के बावजूद मैराथन धावकों की दिलचस्पी देखते ही बनती थी। इंडिया गेट से इंडिया गेट तक 42.16 किलो मीटर की दूरी मापने वाले धावकों को हल्की-फुल्की समस्याओं से दो-चार होना पड़ा। खासकर कुछ एक ने आरोप लगाया कि कुछ शरारती तत्वों के कारण उन्हें शीर्ष स्थान गंवाने पड़े। फुल मैराथन में बुध राम दूसरे और सत्यप्रकाश तीसरे स्थान पर रहे। उन्हें क्रमशः एक लाख एवं 50 हजार दिये गये। महिलाओं में यह सम्मान और इनाम क्रमशः एम. सुधा और अनीषा देवी को मिला। महिलाओं की वेटरन हाफ मैराथन की विजेता नीलू गुप्ता को घोषित किया गया। दूसरा स्थान राजेंद्री कुमारी को मिला जबकि तीसरे स्थान पर पूर्व एशियन चैंपियन आशा अग्रवाल रहीं। हैरानी वाली बात यह रही कि पहला और दूसरा स्थान पाने वाली धाविकाएं पुरस्कार ग्रहण करने नहीं आईं। पुरुषों में जवाहर प्रसाद, निर्मल कुमार और दिनेश कुमार ने वेटरन वर्ग में पहले तीन स्थान पाए। उन्हें क्रमशः 20,15 एवं 10 हजार मिले। पुरुषों की हाफ मैराथन में विश्राम मीणा और महिलाओं में किरण तिवारी विजेता रहे। किरण तिवारी वेस्टर्न रेलवे में कार्यरत है और हल्द्वानी (उत्तराखंड) से है। उसने जयपुर एवं वसई विरार में खिताब जीते हैं। मुंबई और एयरटेल हाफ मैराथन में वह दूसरे स्थान पर रह चुकी है। विश्राम मीणा और किरण को हाफ मैराथन जीतने पर 70-70 हजार मिले। पुरुषों के वेटरन वर्ग की फुल मैराथन में वास्को विजयी रहे।

मवाना शुगर्स के चेयरमैन सिद्धार्थ श्रीराम ने आयोजन को शानदार बताया और कहा कि एथलेटिक फैडरेशन से मान्यता प्राप्त मवाना शुगर्स मैराथन को अगले साल से बड़े स्तर पर आयोजित किया जाएगा। इस बार कुल 15 लाख की पुरस्कार राशि दाव पर थी।